अध्याय

3

संवाद–लेखन

स्मरणीय बिन्दु

संवाद लेखन भी एक कला है। संवाद कुशलता का जीवन में बहुत महत्व है। जब दो व्यक्ति किसी भी विषय पर बातचीत करते हैं तो उस बातचीत को ही संवाद कहते हैं और जब उस बातचीत को लिखित रूप दिया जाता है तो उसे संवाद लेखन कहते हैं।

संवाद लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए–

1. संवादों की भाषा सरल तथा भावानुकूल हो।
2. संवाद विषय तथा पात्र के अनुकूल हो।
3. वाक्य छोटे, रोचक और प्रभावपूर्ण होने चाहिए।
4. संवादों के वाक्य संक्षिप्त होने चाहिए।
5. संवाद परिस्थितियों के अनुकूल होने चाहिए।
6. संवादों में हास्य-व्यंग्य का पुट भी रहना चाहिए।

अभ्यास प्रश्न (प्रत्येक 2.5 अंक)

प्रश्न 1. इंटरनेट के उपयोग को लेकर दो छात्रों के मध्य संवाद लिखिए। [केवीएस 2019]

उत्तर—

मोहन : क्या तुमने कल का गृहकार्य पूरा कर लिया ? तुमने किससे सहायता ली ?

सोहन : हाँ, मैंने इंटरनेट से सहायता ली।

मोहन : मित्र! यह क्या होता है ?

सोहन : इंटरनेट पर सभी विषयों के बारे में जानकारी उपलब्ध होती है।

मोहन : तुम्हें किसने बताया ?

सोहन : कल जब मैंने अपने बड़े भाई से सहायता माँगी तो उन्होंने मुझे इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री के बारे में बताया।

मोहन : अच्छा, यह तो बड़ी अच्छी बात है।

सोहन : मित्र, अब हम अपना कार्य आसानी से कर सकेंगे।

मोहन : इंटरनेट पर हम और क्या-क्या कर सकते हैं ?

सोहन : इंटरनेट पर हम बैंकिंग, टिकिटिंग, शॉपिंग आदि अनेक कार्य घर बैठे कर सकते हैं।

मोहन : अरे वाह ! फिर तो मैं भी इंटरनेट से सहायता जरूर लूँगा। धन्यवाद मित्र ! इतनी उपयोगी जानकारी देने के लिए।

प्रश्न 2. नोटबंदी से प्रभावित दो ग्रामीणों का संवाद लिखिए। [केवीएस 2018 आगरा, जम्मू]

उत्तर—

हरिया : महेन्द्र! कल रात को नरेन्द्र मोदी का राष्ट्र के नाम सन्देश सुना।

महेन्द्र : हाँ, सुना, मजा आ गया। अचानक ₹ 500 और ₹ 1000 के नोट बन्द करके कालाधन इकट्ठा करने वालों की जड़े हिला दीं।

हरिया : ठीक है पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पाकिस्तान पर पड़ेगा। अब वह आतंकवादियों को शरण नहीं दे पाएगा।

महेन्द्र : हाँ, सही कह रहे हो क्योंकि पाकिस्तान का आतंकी संगठन 500 और 1000 के नकली नोटों के द्वारा हमारे युवाओं को आतंकवादी बनाते थे। पर अब धन न होने से उनके मंसूबे ध्वस्त हो जाएँगे।

हरिया : ठीक कह रहे हो परन्तु हमारे देश के नेता तो बौखला रहे हैं क्योंकि काले धन से चुनाव लड़ने की उनकी तैयारी धरी रह गई।

महेन्द्र : सही बात है वैसे कुछ अच्छे परिवर्तन करने के लिए थोड़ी बहुत परेशानी तो उठानी पड़ती है। बिना कष्ट के आनंद नहीं मिलता।

हरिया : कोई बात नहीं देश-हित में हम नोटबंदी की परेशानी तो उठा ही सकते हैं।

प्रश्न 3. विद्यालय में स्वच्छता अभियान को लेकर दो मित्रों का संवाद लिखिए। [केवीएस 2018 आगरा]

उत्तर—

सुशील : क्या तुम्हें मालूम है कि हमारे प्रधानमंत्री जी ने स्वच्छ भारत अभियान चलाया है?

सुमन : हाँ, मैंने उसके बारे में सुना है और आज हमारे विद्यालय में भी इसके बारे एक सभा का आयोजन किया जाएगा।

सुशील : हाँ, सभा के बाद हम लोग अपने विद्यालय को एक पूर्ण स्वच्छ विद्यालय बनाना चाहते हैं।

सुमन : अच्छा, क्या हम लोगों को भी उसमें भाग लेना है?

सुशील : हाँ, प्रत्येक विद्यार्थी को इसमें योगदान करना है।

सुमन : वह कैसे?

सुशील : हमें अपने आस-पास की जगहों की सफाई की देखभाल करनी है।

सुमन : ठीक है, मैं अपनी कक्षा में सहपाठियों से सफाई रखने के लिए कहूँगा।

सुशील : केवल दूसरों को ही नहीं, स्वयं भी सफाई पर ध्यान देना होगा।

सुमन : हाँ! आज से मैं अपने बैग, अपने जूते की सफाई स्वयं करूँगा।

सुशील : सही कहते हो। कक्षा में ध्यान रखना पड़ेगा कि किसी प्रकार की बेकार चीजें इधर-उधर न बिखरी हुई हों।

सुमन : चलो, अब चलते हैं। विद्यालय भी तो समय पर पहुँचना है।

सुशील : हाँ चलो।

AI प्रश्न 4. आपने अपना गृहकार्य नहीं किया है। इसका कारण बताते हुए शिक्षक के साथ होने वाला संवाद लिखिए।
[केवीएस 2018 जम्मू]

उत्तर—

शिक्षक : (छात्र की ओर संकेत करते हुए) रमन! अपना गृहकार्य दिखाओ।

रमन : (डरते हुए) श्रीमान्! आज मैं गृहकार्य करके नहीं ला सका।

शिक्षक : क्यों?

रमन : कल मेरी माताजी की तबियत अचानक खराब हो गई थी जिसके कारण मैं अपना गृहकार्य पूरा नहीं कर पाया।

शिक्षक : क्या तुम सच बोल रहे हो?

रमन : हाँ सर! मैं बिल्कुल सच कह रहा हूँ

शिक्षक : कोई बात नहीं। अब कैसी तबियत है माँ की?

रमन : पहले से बहुत सुधार है।

शिक्षक : ठीक है कल, आज और कल दोनों दिन का गृहकार्य पूरा करके अवश्य लाना।

रमन : जी श्रीमान्! कल अवश्य दिखा दूँगा। धन्यवाद!

प्रश्न 5. आज आपकी अंतिम परीक्षा है। पढ़ाई से चिंता मुक्त होकर आप अपने मित्र के साथ मस्ती से छुट्टियाँ बिताना चाहते हैं। इस स्थिति पर संवाद लिखिए। [सी.बी.एस.ई. 2016 Term I]

उत्तर—

अमित : मित्र! आज हमारा आखिरी पेपर है।

सोहन : हाँ! आज हम अपने आपको चिंता मुक्त महसूस कर रहे हैं।

अमित : बिल्कुल सही कह रहे हो। मुझे तो ऐसा लग रहा है कि मेरे सिर से बोझ हल्का हो गया हो।

सोहन : सही कहा, कल से पूरे महीने की छुट्टी भी हो जायेंगी। वैसे तुम्हारा क्या कार्यक्रम है ? मैं तो मम्मी के साथ मामाजी के यहाँ जाऊँगा।

अमित : अरे वाह! मैं भी छुट्टियों में अपनी मौसी के यहाँ जाऊँगा। खूब मजा आएगा हम दोनों साथ-साथ छुट्टियाँ बिताएँगे।

सोहन : अरे हाँ! मैं तो भूल ही गया था कि मेरी बड़ी मामी तुम्हारी मौसी लगती हैं। तब तो खूब मजा आएगा। हम लोग खूब मस्ती करेंगे।

अमित : अच्छा अब चलो, आज का पेपर शुरू होने वाला है।

प्रश्न 6. सचिन के रिटायरमेन्ट को लेकर आपके और आपके दोस्त के मध्य हुए संवाद को लिखिए।

[सी.बी.एस.ई. 2016 Term I]

उत्तर—

शरद : अरे अमित ! तू इस समय यहाँ, मुझे तो आश्चर्य हो रहा है?

अमित : क्यों मैं यहाँ आ नहीं सकता क्या ?

शरद : आ क्यों नहीं सकता, आ सकता है पर इस समय तो भारत-पाकिस्तान का क्रिकेट मैच चल रहा है। उसे छोड़कर तू यहाँ ? तू तो क्रिकेट मैच का दीवाना है।

अमित : सही कहा पर अब तो मजा नहीं आता क्योंकि टीम में सचिन तेंदुलकर नहीं है न।

शरद : हाँ यार ठीक कहा, सचिन आखिर सचिन है। कल की-ही बात है कपिल देव कप्तान था और 15-16 साल का स्कूल का छात्र सचिन पाकिस्तान के खिलाफ खेलने आया था।

अमित : हाँ और उसने क्रिकेट के लिए अपनी दसवीं की परीक्षा भी छोड़ दी थी, समय जाते देर नहीं लगती।

शरद : सही कहा। उसके रिटायर होने की घोषणा पर तू कितना रोया था।

अमित : हाँ मित्र, मुझे बहुत दु:ख हुआ था उसके जैसा महान क्रिकेटर सदियों में आता है। उसके रिटायरमेंट के बाद मेरा मन भी क्रिकेट से हट गया है इसलिए मैं अब मैच नहीं देखता।

AI प्रश्न 7. भारतीय संगीत के प्रति अपने लगाव को प्रकट करते हुए अपने दोस्त से हुए संवाद को लिखिए।

[सी.बी.एस.ई. 2016 Term I]

उत्तर—

प्रकाश : अरे पुष्पेन्द्र कहाँ जा रहे हो?

पुष्पेन्द्र : अरे, प्रकाश! तुम यहाँ, मैं गानों की सी. डी. लेने जा रहा हूँ।

प्रकाश : कौन-से गानों की?

पुष्पेन्द्र : किशोर कुमार के।

प्रकाश : अरे वाह! किशोर, मुकेश, रफी व लता मंगेशकर के गानों का तो जवाब ही नहीं है।

पुष्पेन्द्र : सही कहा मित्र! जवाब तो भारतीय संगीत का नहीं है।

प्रकाश : भारतीय संगीत से तुम्हारा क्या मतलब है?

पुष्पेन्द्र : भारतीय संगीत से मेरा मतलब शास्त्रीय संगीत से है। इसके पक्के राग व ताल का जवाब पूरी दुनिया में नहीं है।

प्रकाश : हाँ, पुष्पेन्द्र तुम ठीक कह रहे हो। शास्त्रीय संगीत पर ही आधारित किशोर, मुकेश, रफी व लता के गीत सबसे ज्यादा हिट रहे हैं जो कि आज भी सुनते ही ताजगी भर देते हैं।

पुष्पेन्द्र : अच्छा, अब मैं चलता हूँ। कल स्कूल में मिलते हैं।

प्रकाश : हाँ सही बात है। चलो कल मिलते हैं।

प्रश्न 8. 'शिक्षक दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम को देखकर विद्यार्थी प्रसन्न होते हैं। ऐसे ही किन्हीं दो विद्यार्थियों के मध्य हुए वार्तालाप को संवाद शैली में लिखिए। **[सी.बी.एस.ई. 2015 Term I]**

उत्तर—

कमल : अरे मित्र नमन! कहाँ थे कल तुम, जानते हो न शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में कल विद्यालय में कितने सुन्दर-सुन्दर कार्यक्रमों का आयोजन हुआ था?

नमन : हाँ मित्र! जानता हूँ, किन्तु देरी से आने के कारण मैं पीछे बैठा था और तुम आगे।

कमल : अच्छा, मुझे लगा कि तुम नहीं आए। मित्र मुझे तो उन कार्यक्रमों में सबसे अधिक कक्षा आठ के छात्रों द्वारा देशभक्ति के गीत पर किया गया नृत्य बहुत पसंद आया।

नमन : हाँ मित्र! वह भी अच्छा था किन्तु मुझे तो कक्षा दस के विद्यार्थी मोहन द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन पर दी गई जानकारी और लघु भाषण बहुत अच्छा लगा।

कमल : सही कहा, मित्र! तब वास्तव में उन्होंने हमें शिक्षक दिवस मनाने का सही कारण बताया और हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करने का संदेश भी दिया।

नमन : हाँ मित्र! मैं प्रण लेता हूँ कि मैं सदैव अपने गुरुओं की आज्ञा का पालन करूँगा और उनका सम्मान करूँगा।

कमल : सत्य कहा मित्र! मैं भी।

प्रश्न 9. हिंदी विषय की कक्षा में छात्र-छात्राओं द्वारा शांतिपूर्वक बैठने के विषय में दो छात्रों में होने वाले वार्तालाप को लिखिए।

[सी.बी.एस.ई. 2015 Term I]

उत्तर—

नवीन : प्रवीण, मित्र मुझे हिंदी की कक्षा में पढ़ना बहुत पसंद है, किन्तु कक्षा में छात्र-छात्राओं द्वारा की जाने वाली बातचीत के कारण पढ़ने का आनन्द नहीं आता है।

प्रवीण : सही कहा मित्र! मुझे भी श्रीमती शर्मा का हिंदी पढ़ाने का तरीका, उनका व्याख्या करने का अंदाज बहुत सजीव लगता है ऐसा लगता है कि पाठ का दृश्य कक्षा में ही उपस्थित हो गया हो। लेकिन जो छात्र पढ़ने में ध्यान नहीं देते हैं उनके कारण पढ़ने वाले विद्यार्थी भी ठीक से नहीं पढ़ पाते हैं।

नवीन : हाँ प्रवीण! हमें इस विषय में कक्षा में सभी से बात करनी होगी। तभी इस समस्या का समाधान हो सकता है।

प्रवीण : हाँ नवीन! तभी कक्षा में शांतिपूर्वक पढ़ाई का आनन्द आएगा।

नवीन : चलो कल ही इस विषय में बात करते हैं।

AI प्रश्न 10. 'धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक' विषय पर दो मित्रों के बीच हुए संवाद को लिखिए।

[सी.बी.एस.ई. 2015, Term II]

उत्तर—

मुकुल : अरे मित्र सोहन! इतने परेशान क्यों दिखाई दे रहे हो ?

सोहन : क्या बताऊँ मित्र! मेरे चाचा जी की तबीयत बहुत खराब है और वह अस्पताल में भर्ती हैं।

मुकुल : क्या हुआ उन्हें ?

सोहन : अत्यधिक धूम्रपान करने के कारण उन्हें दमा के साथ-साथ, फेफड़ों में भी संक्रमण हो गया है।

मुकुल : यह तो बहुत बुरा हुआ, मित्र! धूम्रपान अत्यधिक हानिकारक होता है इससे अनेक रोग हो जाते हैं कभी-कभी मृत्यु तक भी हो जाती है।

सोहन : हाँ मित्र, धूम्रपान के पैकेटों पर चेतावनी होने के बावजूद लोग इन्हें खरीदते हैं और साथ ही अपने लिए बीमारी भी खरीदते हैं।

मुकुल : हाँ और अपने पीछे परिवार को रोता छोड़ जाते हैं।

सोहन : ठीक कहा मित्र।

मुकुल : धूम्रपान का निषेध करके व लोगों में जागरूकता पैदा करके ही इसे रोका जा सकता है।

प्रश्न 11. शिक्षक और विद्यार्थी के मध्य हुए संवाद को लिखिए।

उत्तर—

शिक्षक : मोहन, क्या तुमने पाठ याद कर लिया ?

विद्यार्थी : जी हाँ, सर।

शिक्षक : क्या तुम बता सकते हो कि रावण को दशानन क्यों कहा जाता था?

विद्यार्थी : हाँ, सर, क्योंकि उसके दस सिर थे।

शिक्षक : बिल्कुल ठीक! क्या तुम बता सकते हो कि रावण के भाई का नाम क्या था?

विद्यार्थी : विभीषण, सर।

शिक्षक : बहुत अच्छा मोहन, क्या तुम्हें रामायण की पूरी कहानी पता है?

विद्यार्थी : हाँ सर, क्योंकि मेरी दादी मुझे यह कहानी सुनाती हैं और समझाती भी हैं।

शिक्षक : तुम्हें रामायण का कौन-सा प्रसंग सबसे अच्छा लगता है?

विद्यार्थी : मुझे राम का वन में शबरी से मिलना और उसके जूठे बेर खाकर उसे प्रसन्न करने वाला प्रसंग बहुत अच्छा लगता है।

शिक्षक : तुम बहुत होशियार हो मोहन, तुम बैठ सकते हो।

सामान्य त्रुटियाँ

- अधिकांश विद्यार्थी संवाद लेखन को कहानी लेखन की तरह लिखते हैं जो गलत है तथा संवाद घटना, परिस्थिति व पात्रानुकूल नहीं लिखते।
- विद्यार्थी संवाद लिखते समय विराम-चिह्नों का यथास्थान प्रयोग नहीं करते।

निवारण

- विद्यार्थियों को संवाद लेखन का कक्षा में पर्याप्त अभ्यास करना चाहिए।
- संवाद हमेशा देश-काल व पात्रानुकूल होने चाहिए तथा संवाद लेखन में शिष्ट भाषा का प्रयोग करना चाहिए। संवाद स्वाभाविक होने चाहिए न कि बनावटी।